भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001
फोन नं. : 23005700; **फैक्स** : 23005787

दिनांक : 04 मार्च, 2014

प्रेस विज्ञप्ति

डॉ0 उदित राज, विशेष आमंत्रित सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी, भारतीय जनता पार्टी, ने कहा कि उनके एक सप्ताह के अनुभव ने यह एहसास करा दिया कि भारतीय जनता पार्टी दलित–आदिवासी विरोधी नहीं है, जो कि एक धारणा बन गयी है, वास्तविकता कुछ और ही है। पार्टी में दलितों एवं आदिवासियों के लिए काम करने की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने अपील किया कि सभी दबे कुचले अब पार्टी से जुड़कर श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं। नेशनल दलित फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामविलास पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष – रामदास आठवले और प्रधान महासचिव – डॉ0 उदित राज अब भाजपा के साथ हैं, देश में संदेश जा रहा है कि इस बार के लोक सभा चुनावों में दलित आदिवासी भारी संख्या में पार्टी के पक्ष में मतदान करेगें और 272 प्लस का लक्ष्य हासिल हो जाएगा। भाजपा ही नहीं बल्कि बाहर के लोग भी श्री राजनाथ सिंह के इस राजनैतिक कौशल का लोहा मान गए कि वे दलित नेताओं को श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की ओर लाने में सफल रहे।

डॉ0 उदित राज ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का उभार संयोगवश उसी समय हुआ जब देश की आर्थिक स्थिति बहुत चिंताजनक हो गयी थी। उससे निपटने के लिए उस दौर में जो आर्थिक प्रयोग हुए, उसका वास्तविक लाभ दलितों, आदिवासियों एवं अतिपिछड़ों को नहीं पहुंचा। नई आर्थिक नीति के कारण तमाम बेहतर अवसर के क्षेत्र जैसे पूंजी बाजार, सेवा, टेलीकॉम, निर्माण, बाजार, शिक्षा आदि के अवसर पैदा हुए लेकिन इन वर्गों की भागीदारी इसमें नहीं के बराबर रही। बसपा की सार्थकता तभी होती है कि वह या तो नई आर्थिक नीति को लागू न करने देती या उसमें भागीदारी सुनिश्चित कराती, जो हो न सका और इसके विपरीत सरकारी नौकरियों में कमी आयी है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने आरक्षण बचाने के लिए 81वां, 82वां एवं 85वां संवैधानिक संशोधन किया था। पदोन्नति में आरक्षण संबंधित विधेयक की पैरवी डॉ0 उदित राज ने 2006 में सुप्रीम कोर्ट में किया था लेकिन सुश्री मायावती के मुख्यमंत्रित्व काल में कमजोर पैरवी में लखनऊ हाई कोर्ट से यह अधिकार छिन गया। इस तरह से दलित–आदिवासियों के हितों की दृष्टि से इस पार्टी की मंशा पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

भाजपा ने दलित एवं आदिवासियों के स्वाभिमान और उत्थान के लिए बिना प्रचार के महत्वपूर्ण कार्य किए । डॉ. अम्बेडकर के जन्मस्थल महु और परिनिर्वाण स्थल का विकास एवं राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का महत्पवूर्ण कार्य अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने किया एवं पृथक आदिवासी विकास मंत्रालय भाजपा ने बनाया।